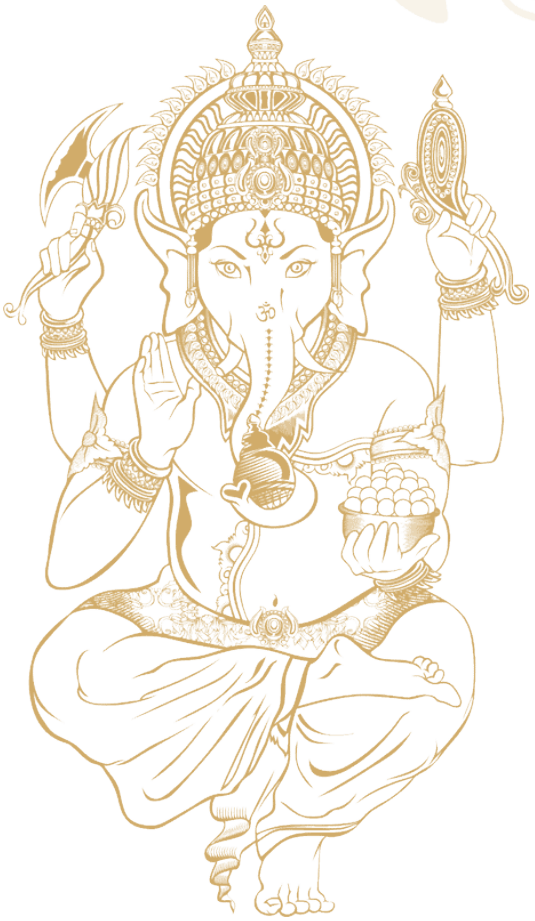

Mr.sujal

Ms.reshma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120587823

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10-11/01/2008	जन्म तिथि	1-02/11/2009
गुरु-शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 06:30:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 58:19:48	जन्म समय(घटी)	51:09:47 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:10:04	सूर्योदय	06:32:05
17:57:59	सूर्यास्त	17:48:22
23:58:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:59:54

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 5मा 3दि	15:26:00	धनु	लग्न	सिंह	26:28:48	केतु 4वर्ष 9मा 20दि
राहु	26:11:37	धनु	सूर्य	तुला	15:35:56	शुक्र
14/06/2013	26:19:57	मक	चंद्र	मेष	04:10:43	23/08/2014
15/06/2031	02:43:19	मिथु व	मंगल	कर्क	13:35:57	23/08/2034
राहु 26/02/2016	10:36:34	मक	बुध	तुला	13:25:49	शुक्र 23/12/2017
गुरु 21/07/2018	11:19:46	धनु	गुरु	मक	23:48:45	सूर्य 23/12/2018
शनि 27/05/2021	19:45:03	वृश्चि	शुक्र	कन्या	28:20:51	चन्द्र 23/08/2020
बुध 15/12/2023	14:08:17	सिंह व	शनि	कन्या	06:20:33	मंगल 23/10/2021
केतु 01/01/2025	04:07:47	कुंभ व	राहु व	मक	00:12:45	राहु 22/10/2024
शुक्र 02/01/2028	04:07:47	सिंह व	केतु व	कर्क	00:12:45	गुरु 23/06/2027
सूर्य 26/11/2028	21:44:25	कुंभ	हर्ष व	कुंभ	29:04:27	शनि 23/08/2030
चन्द्र 27/05/2030	26:36:30	मक	नेप व	मक	29:41:41	बुध 23/06/2033
मंगल 15/06/2031	05:31:31	धनु	प्लूटो	धनु	07:19:47	केतु 23/08/2034

लग्न-चलित

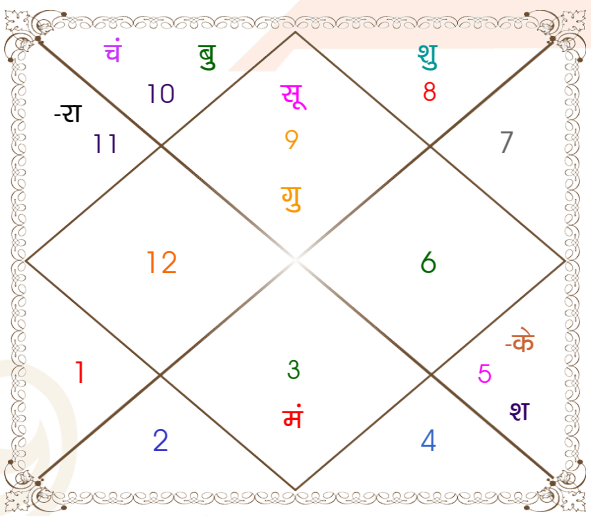

लग्न-चलित

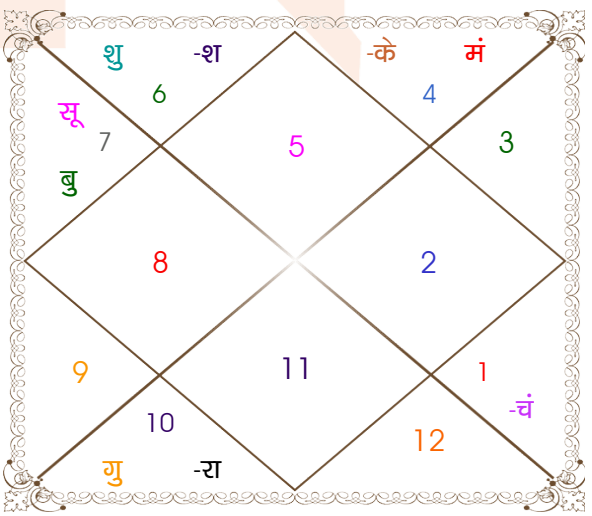

Shri Sankat Mochan Jyotish Kendra
Narsingh Mandir,Sanwer(Dist),Indore
Pandit Pankaj Mandloi jyotish
9893119214
pandit11317@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

डतण्नेरंस का वर्ग मार्जार है तथा डेण्तमींउं का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्नेरंस और डेण्तमींउं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्नेरंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डतण्नेरंस कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्तमींउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्तमींउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्तमींउं कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो

जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेण्तमींउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डतप्ेनरंस कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतप्ेनरंस तथा डेण्तमींउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।